उद्योगों को मिली रफ्तार, सालभर में दो लाख करोड़ ज्यादा लिया लोन

लखनऊ। राज्य में उद्योगों ने रफ्तार पकड़ ली है। इसी का नतीजा है कि एक साल में लोन 8.50 लाख करोड़ से बढ़कर 10.34 लाख करोड़ हो गया। यानी एक साल में बाजार ने 1.86 लाख करोड़ का लोन ज्यादा लिया। कृषि लोन में 25 हजार करोड़ और एमएसएमई लोन में 40 हजार करोड़ रुपये की ग्रोथ दर्ज की गई है।

प्रदेश में कारोबार की स्थिति में सुधार हुआ है। बैंकों के कुल कारोबार में पिछले दो साल में जबर्दस्त तेजी आई है। 31 मार्च 2022 को बैंकिंग कारोबार 7.31 लाख करोड़ रुपये का था। 31 मार्च 2024 को यही कारोबार बढ़कर 10.34 लाख करोड़ रुपये हो गया। ऋण-जमा अनुपात (सीडीआर) रेशियो में भी एक साल में 4% की वृद्धि हुई है। पिछले साल मार्च में सीडीआर 54.54% था जो इस मार्च में बढ़कर 58.72% हो गया। इससे साफ है कि कारोबारियों में लोन लेने की क्षमता बढ़ गई है। ब्यूरो

कृषि लोन में 25 हजार करोड़ व एमएसएमई लोन में 40 हजार करोड़ की बढ़ोतरी दर्ज की गई

किसानों की तुलना में छोटे उद्यमी आगे रहे

प्रदेश में एमएसएमई की सूरत बेहतर हुई है। इसी का परिणाम है कि छोटे उद्यमियों में लोन लेने की क्षमता बढ़ गई है। पिछले वित्त वर्ष की तुलना में इस वित्त वर्ष में करीब 39 हजार करोड़ रुपये का लोन उन्होंने ज्यादा लिया है। वहीं किसानों की बात करें तो इसी अवधि में उन्होंने करीब 25 हजार करोड़ रुपये का लोन ज्यादा लिया। बैंकों द्वारा कुल दिए गए लोन में कमजोर वर्ग का भी खासा ध्यान रखा गया है। इस वर्ग को इसी अवधि में 14 हजार करोड़ रुपये का लोन ज्यादा दिया गया है। पिछले एक साल में ग्रामीण इलाकों में बैंकों की शाखाएं 8807 से बढ़कर 8963 हो गई हैं। वहीं छोटे शहरों में 4563 से बढ़कर 4711 शाखाएं हो गई हैं। शहरों में ये संख्या 6168 से बढ़कर 6362 हो गई है।